प्रेस विज्ञप्ति

राज भवन, राँची

दिनांक : 11 जनवरी, 2025 :-

(1) माननीय राज्यपाल महोदय द्वारा "भारतीय इतिहास लेखन में महिला विमर्श" विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय अधिवेशन का शुभारंभ

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज आर्यभट्ट सभागार, राँची विश्वविद्यालय, रांची में अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना, कला, संस्कृति, पुरातत्व, पर्यटन, खेलकूद और युवा कार्य मंत्रालय, झारखंड सरकार, भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली तथा रांची विश्वविद्यालय, रांची के इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित "भारतीय इतिहास लेखन में महिला विमर्श" विषय पर आधारित "अखिल भारतीय महिला इतिहासकारों का दो दिवसीय अधिवेशन" का उद्घाटन किया।

इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारत के इतिहास में महिलाओं का योगदान अद्वितीय और प्रेरणादायक रहा है। सावित्रीबाई फुले, रानी लक्ष्मीबाई और झारखंड की वीर नायिकाएँ, जैसे फूलो-

झानो, इस बात के प्रतीक हैं कि महिलाओं ने हमेशा समाज को दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। माननीय राज्यपाल महोदय ने कहा कि इन महान महिलाओं के योगदान को इतिहास में उचित स्थान दिलाना हमारी जिम्मेदारी है।

उन्होंने यह भी कहा कि आधुनिक महिला इतिहासकार इस दिशा में महत्वपूर्ण प्रयास कर रही हैं और महिलाओं की भूमिका को नए दृष्टिकोण के साथ प्रस्तुत कर रही हैं। यह न केवल इतिहास लेखन को समृद्ध करता है, बल्कि समाज के समग्र विकास में सहायक भी है।

राज्यपाल महोदय ने माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के महिला सशक्तिकरण के प्रति समर्पण का उल्लेख करते हुए कहा कि "बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ" जैसी योजनाओं ने महिलाओं को न केवल अधिकार और अवसर प्रदान किए हैं, बल्कि समाज में उनकी एक नई पहचान भी स्थापित की है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि महिलाएँ केवल इतिहास का हिस्सा न बनें, बल्कि इतिहास के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँ।

राज्यपाल महोदय ने रांची विश्वविद्यालय, रांची द्वारा 'स्वतंत्रता संग्राम में झारखंड की नायिकाएँ' विषय पर आयोजित संगोष्ठी

की सराहना की और इसे झारखंड तथा भारत की ऐतिहासिक परंपराओं को उजागर करने की दिशा में एक मील का पत्थर बताया।

इस अधिवेशन में देशभर के प्रख्यात इतिहासकारों, शिक्षाविदों और बुद्धिजीवियों ने भाग लिया। इस अवसर पर रांची विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अजीत कुमार सिन्हा, महिला इतिहासकार परिषद की अध्यक्ष प्रो. (डॉ.) सुस्मिता पाण्डे, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय संगठन सचिव डॉ. बालमुकुंद पाण्डेय, और रांची विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग की विभागाध्यक्ष डॉ. सुजाता सिंह सहित अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

(2) माननीय राज्यपाल महोदय ने "परीक्षा पे चर्चा 2025" के प्रति बच्चों को प्रोत्साहित करने हेतु टेंडर हार्ट सेकेंडरी स्कूल, राँची में आयोजित "आर्ट एवं पेंटिंग प्रतियोगिता" के पुरस्कार वितरण समारोह में प्रतिभागियों को सम्मानित किया।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज "परीक्षा पे चर्चा 2025" के प्रति बच्चों को प्रोत्साहित करने हेतु टेंडर हार्ट सेकेंडरी स्कूल, राँची में आयोजित "आर्ट एवं पेंटिंग प्रतियोगिता" के पुरस्कार वितरण समारोह में बच्चों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा को प्रोत्साहित करने और उनकी सृजनात्मक क्षमता को निखारने में सहायक होती हैं।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि कला हमारे जीवन का अभिन्न हिस्सा है। चित्रकला के माध्यम से बच्चे अपने विचारों, भावनाओं और कल्पनाओं को व्यक्त करते हैं। इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी विद्यार्थियों ने अपनी अद्वितीय रचनात्मकता और प्रतिभा का परिचय दिया है।

उन्होंने सभी विजेताओं और प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि किसी भी प्रतियोगिता में भाग लेना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। उनका संदेश था कि प्रतियोगिता का उद्देश्य केवल विजेता बनना नहीं है, बल्कि इसमें भाग लेना और सीखना अधिक महत्वपूर्ण है।

माननीय राज्यपाल महोदय ने इस आयोजन के लिए माननीय केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ की सक्रिय भूमिका की सराहना की। उन्होंने स्कूल प्रबंधन, शिक्षकों और अभिभावकों के प्रयासों की भी प्रशंसा करते हुए कहा कि बच्चों में आत्मविश्वास और उत्कृष्टता का विकास ऐसे आयोजनों से ही संभव है।

समारोह में माननीय केन्द्रीय रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ, टेंडर हार्ट सेकेंडरी स्कूल, राँची के अध्यक्ष श्री सुधीर तिवारी समेत विभिन्न विद्यालयों के प्रधानाचार्य, शिक्षकगण, प्रतिभागी और अभिभावक उपस्थित थे।

(3) माननीय राज्यपाल ने देवघर में बाबा वैद्यनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की।

माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज देवघर स्थित बाबा वैद्यनाथ मंदिर में विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की। उन्होंने बाबा भोलेनाथ से प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि, खुशहाली और शांति की प्रार्थना की।

इस अवसर पर मंदिर प्रबंधन समिति के पदाधिकारियों ने माननीय राज्यपाल महोदय का स्वागत किया।

(4) माननीय राज्यपाल महोदय ने 22वें देवघर पुस्तक मेला 2025 का उद्घाटन किया।

देवघर: माननीय राज्यपाल श्री संतोष कुमार गंगवार ने आज बाबा बैद्यनाथ की पावन भूमि पर '22वें देवघर पुस्तक मेला' का विधिवत उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने पुस्तक मेले को ज्ञान, संस्कृति और साहित्य के प्रसार का एक महत्वपूर्ण मंच बताते हुए झारखंड की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर का प्रतीक बताया।

राज्यपाल महोदय ने कहा कि देवघर की यह भूमि न केवल बाबा बैद्यनाथ धाम जैसे आध्यात्मिक केंद्र के लिए विख्यात है, बल्कि यहाँ महान संत ठाकुर अनुकूल चंद्र जी ने समाज को अपने विचारों और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से प्रेरित किया। यह पावन भूमि सांस्कृतिक, साहित्यिक और ऐतिहासिक धरोहर का एक प्रेरणास्रोत है। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान भी देवघर का योगदान अत्यंत प्रेरणादायक रहा है। असहयोग आंदोलन और भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान यहाँ की जनता और क्रांतिकारियों की भूमिका अतुलनीय रही है। इस भूमि ने हमेशा समाज को प्रेरणा और ऊर्जा दी है।

राज्यपाल महोदय ने इस मेले को डिजिटल युग में पुस्तक संस्कृति को पुनर्जीवित करने का एक उत्कृष्ट प्रयास बताते हुए

कहा कि पुस्तकें केवल ज्ञान का स्रोत नहीं, बल्कि हमारे जीवन की अमूल्य धरोहर हैं। आज, जब युवा पीढ़ी पुस्तकों से दूरी बना रही है, ऐसे में इस प्रकार के आयोजन उनका ध्यान अध्ययन और लेखन की ओर पुनः आकर्षित करने में सहायक होंगे। उन्होंने बरेली में अपनी ओर से स्थापित किए गए पुस्तकालय का भी उल्लेख किया, जो अध्ययनशील समाज के निर्माण की दिशा में उनका व्यक्तिगत प्रयास है।

राज्यपाल महोदय ने कार्यक्रम में कई पुस्तकों का विमोचन किया और साहित्य के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान देने वाले विद्वानों को सम्मानित किया। उन्होंने मेले को युवाओं की रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने का एक आदर्श मंच बताया और युवाओं से इसमें बढ़-चढ़कर भाग लेने का आह्वान किया।

राज्यपाल महोदय ने माननीय प्रधानमंत्री जी के 'पढ़ेगा इंडिया, बढ़ेगा इंडिया' जैसे मंत्रों का उल्लेख करते हुए कहा कि यह पुस्तक मेला उनकी सोच को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। राज्यपाल महोदय ने पुस्तक मेला समिति को इसके सफल आयोजन के लिए शुभकामनाएँ दीं और सभी नागरिकों से आह्वान किया कि वे इस मेले का अधिकतम लाभ उठाएँ और ज्ञान के इस महोत्सव का हिस्सा बनें।

इस अवसर पर माननीय लोकसभा सांसद डॉ. निशिकांत दुबे, स्थानीय प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी, साहित्यकार, शिक्षाविद् और पुस्तक मेला समिति के सदस्य उपस्थित रहे।